मनुष्य वही करता है, जो वह चाहता है किन्तु पाता वही है जो मैं चाहता हूँ यदि वह वो करे, जो मैं चाहता हूँ तो वह वो पाएगा, जो वह चाहता हैं।

अब विचार करें कि मनुष्य योनि को इतना दुर्लभ क्यों कहा है?

केवल इसी योनि में हम अपने समस्त दुखों से मुक्ति हमेशा के लिये पा सकते हैं। इसी योनि में हमें भगवान ने वह विवेक दिया है जिससे हम अपने जीवन के उद्देश्य को समझ सकते हैं और उसे पा भी सकते हैं। पर मनुष्य जीवन का उद्देश्य है क्या?

मानव जीवन का पूर्व निश्चित उद्देश्य शास्त्रों में स्पष्ट रूप से बताया है– भगवत्प्राप्ति।

क्या उसके लिये जीवन का उपयोग सही ढंग से करना आवश्यक है ? अवश्य। कौन बतायेगा जीवन को उपयोग करने की सही विधि ? निश्चित ही वही जिसने इस मानव शरीर को बनाया है। हम सब जानते हैं इस शरीर के रचयिता भगवान हैं। अतः वे ही इस शरीर के उपयोग की सही विधि बता सकते हैं। भगवद्गीता में श्रीकृष्ण ने स्पष्ट रूप से इसे बताया है। अतः उस उद्देश्य को प्राप्त करने के लिये भगवद्गीता को समझना बहुत आवश्यक हो जाता है। तभी हमारे देश के सभी नामचीन महापुरुषों ने यथा विवेकानन्द, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद, गाँधीजी आदि ने भगवद्गीता के अध्ययन को परम आवश्यक माना है।

गीता को समझें कैसे ?

गीता को समझाने के लिये हम जयपुर में स्थित 22 स्थानों पर साप्ताहिक कक्षा का आयोजन करते हैं। इन कक्षाओं में गीता को बड़े वैज्ञानिक ढंग से समझाया जाता है। जयपुर के अतिरिक्त गीता की Classes और भी शहरों में चलती है यथा सवाईमाधोपुर, बौली, अजमेर, अहमदाबाद, कानपुर आदि। सत्संग के माध्यम से गीता को समझने का चमत्कारिक प्रभाव होता है।

आपको कृष्ण की वाणी कितनी समझ में आयी है इसको जानने हेतु लिखित परीक्षा का चार चरणों में आयोजन किया जाता है। पहले तीन चरण छः–छः अध्यायों पर आधारित होते है और चौथे चरण में पूरी गीता होती है।

पहले तीन चरणों में प्रथम तीन साधक पुरस्कृत होगे। उन्हें श्रीमद् भागवतम् और Cash Prizes (Rs. 5000, Rs 2000 और Rs 500) मिलेंगे। चौथे चरण के पुरस्कार है :–

प्रथम : चार धाम की यात्रा अपने परिवार के तीन सदस्य के साथ (अनुमानित लागत 1.40 लाख) + श्रीमद्भागवत्म

द्वितीय : जगन्नाथपुरी और मायापुर की यात्रा अपने परिवार के दो सदस्यों के साथ (अनुमानित लागत 30,000) + श्रीमद्भागवत्म

तृतीय : जगन्नाथपुरी अथवा मायापुर की यात्रा अपने परिवार के एक सदस्यों के साथ (अनुमानित लागत 15,000) + श्रीमद्भागवत्म

चतुर्थ : द्वारकाधाम की यात्रा अपने परिवार के एक सदस्य के साथ (अनुमानित लागत 8,000) + श्रीमद्भागवत्म

पंचम : वृन्दावन की यात्रा अपने परिवार के एक सदस्यत के साथ (अनुमानित लागत 5,000) + श्रीमद्भागवत्म

अतिरिक्त पुरस्कार

1. पहले तीन चरणों के सभी विजेताओं के लिये वृंदावनधाम की यात्रा
2. सभी चरणों में एक बार भी 35% या अधिक अंकों की प्राप्ति पर cash incentive Rs 500/- + Certificate of merit दिया जायेगा। यह cash incentive विजेताओं को देय नहीं होगा तथा एक बार ही देय होगा।

अन्य मुख्य बातें

1 प्रत्येक परीक्षार्थी को Registration form भर कर देना होगा। चारों चरण की एक मुश्त Registration fee Rs. 850/- है जो फार्म के साथ देय होगी। यदि एक ही परिवार के तीन या अधिक सदस्य Register कराते हैं तो Registration fee में 25% का discount देय होगा।

2 परीक्षा की तिथियॉ परीक्षार्थियों को बाद में सूचित कर दी जायेंगी।

3 Registration form की स्वीकृति के संबंध में आयोजन समिति का निर्णय ही सबको मान्य होगा। अस्वीकृत forms की Registration fee वापस कर दी जायेगी।

4 चौथे चरण में 40% weightage पहले तीन चरणो में प्राप्त कुल अंकों का होगा।

5 चौथे चरण के प्रथम विजेता को कम से कम 80% अंक अर्जित करने होंगे। परन्तु यदि अंक 75% से 79.5% हैं तो यात्रा की cost 75% देय होगी। अंक यदि 65% -74.5% हैं तो यात्रा की cost 50% देय होगी।

फार्म या किसी भी प्रकार की जानकारी हेतु संपर्क करें :

YOGESH TRIPATHI
9413206368

B. TAYAL
9602374878

MANU TAYAL
9799648308

SANTOSH GUPTA
9413493178

यदि आप अपने जीवन का उद्देश्य पाना चाहते हैं, तो श्रीकृष्ण की बातें मानना आवश्यक है।

मनुष्य योनि बहुत–बहुत–बहुत अधिक मूल्यवान है परमात्मा की अनुपम कृति है, पर है अत्यंत दुर्लभ। तभी तुलसीदासजी ने कहा है:

बड़े भाग मानुस तन पावा, सुर दुर्लभ सब ग्रंथन गावा।

यह मनुष्य जन्म भगवान को अत्यंत प्रिय है–

सब मम प्रिय सब मम उपजाए, सब तें अधिक मनुज मोहि भाए।

ईश्वर अंस जीव अविनासी, चेतन अमल सहज सुख रासी।।

अर्थात यह बहुमूल्य जीव भगवान का ही अंश है। पर क्या यह मनुष्य योनि हमें अपने पुरुषार्थ से मिला है ? तुलसीदासजी ने इस विषय में कहा है–

कबहुँक करि करूना नर देही, देत ईस बिनु हेतु सनेही।

अर्थात यह जन्म हमें अपने किसी भी पुरुषार्थ से नहीं मिला है, अपितु भगवान की अहैतुकी कृपा से मिला है। इसे किसी भी मूल्य पर व्यर्थ नहीं जाने देना चाहिये।

lord jagannath charitable trust
5/94, Bhagwati Niket, Behind Nehru Sahkar Bhawan,
Bhawani Singh Lane, Jaipur- 302001 (Rajasthan)
Tel.: 9602374878 / 9414001889
E-mail : vikalp.insurers@gmail.com